अंक – 90 1.11.2025 शनिवार

कैमूर चेतना सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए प्रकाशित

समाहरणालय कैमूर

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- छात्र प्रतिज्ञा
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- कंप्यूटर ज्ञान
- तर्क ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- रोचक तथ्य
- बूझो तो जाने
- विभागीय सूचना
- सुरक्षित शनिवार

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

चेतना - सत्र
संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग
सदस्य सह संपादकीय समूह

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तावकाश मंच , भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

भारतीय राज्यों का पुनर्गठन

प्रारंभिक स्थिति (1947–1953) :
स्वतंत्रता के समय भारत में 500 से अधिक रियासतें और प्रांत थे। सरदार वल्लभभाई पटेल और वी. पी. मेनन के प्रयासों से इनका भारतीय संघ में विलय कराया गया। परिणामस्वरूप देश को विभिन्न प्रकार के प्रशासनिक क्षेत्रों में विभाजित किया गया, जैसे –
भाग A - राज्य (पूर्व ब्रिटिश प्रांत)
भाग B - राज्य (पूर्व रियासतें)
भाग C और भाग D - क्षेत्र
फिर भी भाषाई मांगों के आधार पर राज्यों के गठन की मांग जारी रही।
आंध्र प्रदेश का निर्माण और भाषाई आंदोलन (1953) : तमिलनाडु से तेलुगु भाषी क्षेत्र अलग करके 1953 में आंध्र प्रदेश बनाया गया। यह भारत का पहला भाषाई राज्य था। पोट्टी श्रीरामुलु के आमरण अनशन और बलिदान के बाद यह संभव हुआ। इस घटना ने स्पष्ट कर दिया कि भाषाई आकांक्षाओं की उपेक्षा असंभव है।
राज्य पुनर्गठन आयोग (1953–1956)
भारत सरकार ने 1953 में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया, जिसके सदस्य फ़ज़ल अली (अध्यक्ष) , हृदय नाथ कुंजरू , और के.एम. पणिक्कर थे |
मुख्य सिफारिशें: राज्यों का आधार भाषा और प्रशासनिक सुविधा हो | समानताओं को ध्यान में रखकर सीमाएँ तय की जाएँ | इन सिफारिशों के आधार पर राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 लागू हुआ।
राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 : इस अधिनियम से भारत की राज्य संरचना में व्यापक परिवर्तन हुआ | भाग A, B, C श्रेणियाँ समाप्त | भाषाई और भौगोलिक आधार पर राज्य पुनः गठित 14 राज्य और 6 केंद्र शासित प्रदेश बने |
1960: बंबई राज्य का विभाजन : भाषाई मांग के आधार पर 1960 में बंबई राज्य को दो राज्यों में विभाजित किया गया:महाराष्ट्र (मराठी भाषी क्षेत्र) गुजरात (गुजराती भाषी क्षेत्र)
1966: पंजाब का पुनर्गठन : पंजाबी – हिंदी भाषाई आधार और क्षेत्रीय मांगों को देखते हुए 1966 में पंजाब का पुनर्गठन हुआ | हरियाणा राज्य बना चंडीगढ़ को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया | पंजाब की नई सीमा निर्धारित की गई |
1971–1987: पूर्वोत्तर और पर्वतीय क्षेत्रों का सशक्तिकरण : इस अवधि में कई पहाड़ी और जनजातीय बहुल क्षेत्रों को राज्य का दर्जा दिया गया | हिमाचल प्रदेश (1971), मणिपुर, त्रिपुरा, मेघालय (1972), अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम (1987), गोवा (1987) राज्य बना |
2000: तीन नए राज्य क्षेत्रीय विकास असमानता और जनआंदोलनों के परिणामस्वरूप 2000 में तीन नए राज्य बनाए गए: छत्तीसगढ़ (मध्य प्रदेश से), झारखंड (बिहार से), उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश से)
2014: तेलंगाना का निर्माण : आंध्र प्रदेश के विभाजन से 2 जून 2014 को तेलंगाना भारत का 29वाँ राज्य बना। यह राज्य लंबे भाषाई और क्षेत्रीय आंदोलन का परिणाम था |

1. प्रार्थना

प्रार्थना

हमको मन की शक्ति, देना मन विजय करें
दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें
हमको मन की शक्ति, देना मन विजय करें
दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें

भेद-भाव अपने दिल से साफ़ कर सकें
दूसरों से भूल हो तो माफ़ कर सकें
झूठ से बचे रहें, सच का दम भरें
दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें
हमको मन की शक्ति, देना मन विजय करें
दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें

मुश्किलें पड़े तो हम पे, इतना कर्म करें
साथ दे तो धर्म का, चलें तो धर्म पर
खुदपे होसला रहे, बदी से ना डरें
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें

बिहार राज्य गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा ही दे गंग – जमन नाज करे
आधे रास्ते पे न रुक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

छात्र – प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है। हम सब भारतवासी भाई-बहन हैं। हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है। इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है।
हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न सदा करते रहेंगे।
हम अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करेंगे और सब के साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे। हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं।उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशीष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥

कैमूर चेतना सत्र

2. आज का सुविचार

"हम जैसा सोचते है वैसा ही हमारे साथ घटित होता है इसलिए विचार स्वच्छ रखें |"

3. दिवस विशेष

विश्व शाकाहारी दिवस : यह दिवस शाकाहार को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।

ऑल सेंट्स डे : ईसाई धर्म में सभी संतों की याद में यह दिन मनाया जाता है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

यह 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक मनाया जाता है | सतर्कता जागरूकता सप्ताह का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता फैलाना है। यह नागरिकों और संस्थानों को भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण में सामूहिक रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

4. आज का इतिहास

1956 : राज्य पुनर्गठन अधिनियम के कारण इसी दिन आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की स्थापना हुई।

1966 : पंजाब राज्य का पुनर्गठन करके हरियाणा राज्य का निर्माण किया गया।

2000 : छत्तीसगढ़ को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में घोषित किया गया।

1954 : फ्रांसीसी क्षेत्रों पांडिचेरी, करिकल, माहे और यानोन को भारत सरकार को सौंप दिया गया।

1950 : चितरंजन रेल कारखाने में पहला भारतीय भाप इंजन बनाया गया |

1881 : कोलकाता में पहली ट्राम सेवा शुरू हुई।

5. सामान्य ज्ञान

1.	भारत का पहला राज्य जो भाषाई आधार पर बना कौन-सा था?	उत्तर: आंध्र प्रदेश (1953)
2.	आंध्र प्रदेश का गठन किस वर्ष हुआ?	उत्तर: 1953
3.	राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना कब की गई?	उत्तर: 1953
4.	राज्य पुनर्गठन अधिनियम किस वर्ष लागू हुआ?	उत्तर: 1956
5.	छत्तीसगढ़ राज्य कब बना?	उत्तर: 1 नवंबर 2000
6.	उत्तराखंड (उत्तरांचल) का गठन कब हुआ?	उत्तर: 9 नवंबर 2000
7.	झारखंड राज्य कब बना?	उत्तर: 15 नवंबर 2000
8.	तेलंगाना राज्य का गठन कब किया गया?	उत्तर: 2 जून 2014
9.	भारत में राज्यों का गठन भाषाई आधार पर कब शुरू हुआ?	उत्तर: 1953 (आंध्र प्रदेश के गठन से)
10.	नागालैंड राज्य कब बना?	उत्तर: 1 दिसंबर 1963
11.	हरियाणा राज्य का गठन कब हुआ?	उत्तर: 1 नवंबर 1966
12.	पंजाब राज्य का पुनर्गठन कब हुआ?	उत्तर: 1966
13.	मेघालय कब पूर्ण राज्य बना?	उत्तर: 21 जनवरी 1972
14.	गोवा राज्य का गठन कब हुआ?	उत्तर: 30 मई 1987

6. शब्द ज्ञान

State	राज्य	Governance	शासन व्यवस्था
Legislature	विधानमंडल	Executive	कार्यपालिका
Judiciary	न्यायपालिका	Constitution	संविधान
Federal System	संघीय व्यवस्था	Public Administration	सार्वजनिक प्रशासन
Cabinet	मंत्रिमंडल	Authority	प्राधिकरण

7. कंप्यूटर ज्ञान

साइबर सुरक्षा (Cyber Security) :ऑनलाइन दुनिया में अपने डेटा और पहचान की सुरक्षा को साइबर सुरक्षा कहा जाता है। मजबूत पासवर्ड, OTP साझा न करना, और संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करना उपयोगी सावधानियाँ हैं।

8. तर्क ज्ञान

जय, सायन के चाचा का भाई है। सायन के दादा के केवल दो बेटे हैं। सायन, जय से किस प्रकार संबंधित है? पुत्र

9. प्रेरक प्रसंग

मिट्टी का दीपक और सोने का दीपक

एक बार दीपावली के अवसर पर एक महल में कई सुंदर और महंगे दीपक जलाए गए। उनमें से एक दीपक शुद्ध सोने का था, जो हीरे–जवाहरात से जड़ा हुआ था। उसी के पास एक साधारण मिट्टी का दीपक भी रखा था।

जलने से पहले सोने का दीपक, मिट्टी के दीपक से घमंड के स्वर में बोला:"तुम मिट्टी के हो, गंदे चूल्हे पर बनाए जाते हो। और मैं सोने का हूँ, राजमहल की शोभा हूँ। मेरे सामने तुम्हारी कोई कीमत नहीं।"

मिट्टी का दीपक विनम्र भाव से बोला:"तुम्हारी चमक और वैभव स्वीकार है, पर प्रकाश तो हम दोनों देंगे। और याद रखना, मेरा जन्म साधारण स्थान में जरूर हुआ, पर उद्देश्य उच्च है।"

रात हुई। दोनों दीपक प्रज्वलित किए गए। सभी मेहमानों ने सोने के दीपक की चमक की प्रशंसा की, पर थोड़ी देर बाद तेज हवा चली और उसकी लौ बुझ गई। मिट्टी का दीपक हवा में डगमगाया, पर अपने तेल और बाती के सहारे देर तक जलता रहा। पूरी रात वह अंधेरे से लड़ता रहा और मार्ग प्रकाशित करता रहा। प्रातः होने पर राजा ने कहा:"चमक बाहरी हो सकती है, पर असली मूल्य उस प्रकाश का है जो स्थिर और उपयोगी हो।"सोने का दीपक शर्मिंदा हुआ और मिट्टी के दीपक की ओर देखकर बोला :"सच्ची महत्ता रूप में नहीं, कार्य में होती है।"

कहानी से सीख :

वास्तविक प्रतिष्ठा बाहरी चमक में नहीं, बल्कि कार्य और चरित्र में होती है।

विनम्रता और धैर्य से ही महानता प्राप्त होती है।

परिस्थितियाँ ही व्यक्ति की वास्तविक योग्यता प्रकट करती हैं।

10. बूझो तो जानें

नीचे सिर, ऊपर पाँव,
चलते-चलते ढेर बनाऊँ, बताओ मैं कौन? उत्तर: चींटी

11. रोचक तथ्य

प्रकाश कण और तरंग दोनों रूपों में यात्रा करता है। इसे द्वैत प्रकृति कहा जाता है।

12. सुरक्षित शनिवार

महीना : नवम्बर **प्रथम शनिवार**

विषय : भगदड़ संबधी जोखिम एवं बचाव के संदर्भ में जनकारी (प्राथमिक उपचार, सी.पी.आर.)

आओ जानें :

- ❖ दशहरा, छठ, श्रावणी मेला, मुहर्रम, मेला. उत्सव या धार्मिक आयोजनों इत्यादि के अवसर पर बहुत भीड़ होती है।
- ❖ जहाँ बहुत अधिक भीड़ एकत्रित होती है वहां भगदड़ मचने की सम्भावना होती है। भगदड़ मचने से बच्चों को चोट लग सकती है।
- ❖ बच्चे भीड़ के पैरों से कुचले जा सकते हैं।

जरूरी बातें :

- ❖ कभी कभी अफवाह फैलने, कोई दुर्घटना होने या कम जगह में अधिक लोगों के इकट्ठा होने से भगदड़ मच जाती|
- ❖ जब भगदड़ मचती है तो लोग एक दूसरे को कुचलते हुए भागते हैं।
- ❖ यदि हम ऐसी जगह जा रहे हैं जहाँ बहुत अधिक भीड़ हो सकती है तो हमें अंदर जाने और बाहर निकलने व सभी रास्तों की जानकारी रखनी है।
- ❖ यदि कोई भीड़ में फंसकर घायल हो जाता है तो सबसे पहले देखेंगे कि उस व्यक्ति कि सांस चल रही है या न फिर उसे नजदीकी अस्पताल ले जाएंगे।

घरवालों के लिए संदेश:

- ❖ भगदड़ में घायल व्यक्ति के इर्द-गिर्द इक्कट्ठे न हों।
- ❖ घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाएं।
- ❖ मेला/भीड़-भाड़ वाली जगहों पर बच्चे / बुजुर्ग आदि जाते हैं, तो हमेशा घर का पता एवं मोबाइल नम्बर लिखकर उनके पॉकेट में अवश्य रख दें।

13. विभागीय सूचना

1. अक्टूबर माह के PBL MIP को अभी तक मात्र 55% विद्यालयों ने पूरा किया है | बाकि बचे सभी विद्यालय आज MIP को पूरा करके google लिंक को जरुर भर देंगे |

1. वीरगाथा 5.0 को सभी विद्यालय अपने अपने विद्यालयों में आयोजित करके पोर्टल अपलोड करना सुनिश्चित करें |